समधन का फ़ेमिली प्लानिंग-1

“मेरा नाम सोनाली, मैं कानपुर, उत्तर प्रदेश की हूँ। मेरी कहानी सच्ची है। मैं अन्तर्वासना को करीब दो वर्ष से पढ़ रही हूँ। मुझे भी लगा कि मैं अपनी दास्तान अपने अन्तर्वासना के पाठकों तक पहुचाऊं। मैं लेखिका नेहा वर्मा को अपनी कहानी भेज रही हूँ। मेरी शादी के बाद दो बच्चे पैदा हुए। उसके […] ...”

Story By: नेहा वर्मा (nehaumaverma)
Posted: Thursday, February 10th, 2011
Categories: कोई मिल गया
Online version: समधन का फ़ेमिली प्लानिंग-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

समधन का फ़ेमिली प्लानिंग-1

मेरा नाम सोनाली, मैं कानपुर, उत्तर प्रदेश की हूँ।

मेरी कहानी सच्ची है।

मैं अन्तर्वासना को करीब दो वर्ष से पढ़ रही हूँ।

मुझे भी लगा कि मैं अपनी दास्तान अपने अन्तर्वासना के पाठकों तक पहुचाऊं। मैं लेखिका नेहा वर्मा को अपनी कहानी भेज रही हूँ।

मेरी शादी के बाद दो बच्चे पैदा हुए। उसके बाद मैंने अपना फ़ेमिली प्लानिंग का ऑपरेशन करवा लिया था।

पति का देहान्त आज से करीब 15 वर्ष पहले हो चुका था।

पुत्र राजीव की शादी धूमधाम से सम्पन्न हो गई थी। मेरी लड़की मयंक नाम के एक लड़के के साथ प्रेम-पाश में फ़ंस गई थी।

उसके मयंक के साथ अन्तरंग सम्बन्ध स्थापित हो चुके थे। मयंक अंजलि के कॉलेज़ में ही पढ़ता था और हॉस्टल में रहता था।

बहुत समय से मेरे दिल में वासना दबी हुई थी पर स्त्री सुलभ लज्जावश मुझे अपने वश में ही रहना था।

मेरे दिल में भी चुदाई की एक कसक रह रह कर उठती थी। मेरी उम्र 45 वर्ष की हो चुकी थी, पर दिल अभी भी जवान था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी दिल की वासनाएँ उबल उबल कर मेरे दिल पर प्रहार करती थी।

एक बार मयंक रात को मेरी बेटी अंजलि के पास कॉलेज का कुछ काम करने आया।

मैं उस समय सोने की तैयारी कर रही थी। मैं लाईट बन्द करके सोने की कोशिश कर रही थी, पर वासनायुक्त विचार मेरे मन में बार बार आ रहे थे।

मैं बेचैनी से करवटे बदलती रही। फिर मैं उठ कर बैठ गई।

मैं अपने कमरे से बाहर आ गई, तभी मुझे अंजलि के कमरे में कुछ हलचल सी दिखाई दी।

मैं उत्सुकतापूर्वक उसके कमरे की ओर बढ़ गई। तभी खिड़की से मुझे अंजलि और मयंक नजर आ गये।

मयंक अंजलि के ऊपर चढ़ा हुआ उसे चोद रहा था। मैं यह सब देख कर दंग रह गई।

मेरे दिल पर उनकी इस चुदाई ने आग में घी का काम किया। मेरे अंग फ़ड़कने लगे।

मैं आंखे फ़ाड़े उन्हें देखती रही। उनका चुदाई का कार्यक्रम समाप्त होने पर मैं भारी कदमों से अपने कमरे में लौट आई।

मन में वासना की ज्वाला भड़क रही थी। रात को तो जैसे तैसे मैंने चूत में अंगुली डाल कर अपना रस निकाल लिया, पर दिल की आग अभी बुझी नहीं थी।
जमाना कितना बदल गया है, मेरे पति तो लाईट बन्द करके अंधेरे में मेरा पेटीकोट ऊपर उठा कर अपना लण्ड बाहर निकाल कर बस चोद दिया करते थे।

मैंने तो अपने पति का लण्ड तक नहीं देखा था और ना ही उन्होंने मेरी चूत के कभी दर्शन किये थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पर आज तो कमरे की लाईट जला कर, एक दूसरे के कामुक अंगो को जी भर कर देखते हैं।

मजेदार बात यह कि मर्द का लण्ड लड़की हाथों में लेकर दबा लेती है, यही नहीं… उसे मुख में लेकर जोर जोर से चूसती भी है।

लड़के तो बिल्कुल बेशर्म हो कर लड़कियो की चूत में अपना मुख चिपका कर योनि को खूब स्वाद ले-ले कर चूसते हैं, प्यार करते हैं। यह सब देख कर मेरा दिल वासना के मारे मचल उठता था।

यह सब मेरे नसीब में कभी नहीं था। मेरा दिल भी करता था कि मैं भी बेशर्मी से नंगी हो कर चुदवाऊँ, दोनों टांगें चीर कर, पूरी खोल कर उछल-उछल कर लण्ड चूत में घुसा लूँ।

पर हाय ! यह सब मेरे लिये बीती बात थी।

तभी मुझे विचार आया कि कहीं अंजलि को बच्चा ठहर गया तो ?

मैं विचलित हो उठी।
एक दिन मैं मन कड़ा करके तैयार होकर मयंक के पापा से मिलने उनके शहर चली गई।

उनका नाम सुरेश था, मेरी ही उमर के थे। उनकी आँखों में एक नशा सा था। उनका शरीर कसा हुआ था, एक मधुर मुस्कान थी उनके चेहरे पर।

एक नजर में ही वो भा गये थे।

उनकी पत्नी नहीं रही थी। पर वे हंसमुख स्वभाव के थे। दोनों परिवार एक ही जाति के थे।

मयंक के पिता बहुत ही मृदु स्वभाव के थे। उनको समझाने पर उन्होंने बात की गम्भीरता को समझा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वे दोनों की शादी के लिये राजी हो गये। शायद उसके पीछे उनका मेरे लिये झुकाव भी था।

मैं तब भी सुन्दर नजर जो आती थी, मेरे स्तन और नितम्ब बहुत आकर्षक थे। मेरी आँखें तब भी कंटीली थी। यही सब गुण मेरी पुत्री में भी थे।

कुछ ही दिनों में अंजलि की शादी हो गई। वो मयंक के घर चली गई।

मैं नितांत अकेली रह गई।

मेरा मन बहलाने के लिये बस मात्र कम्प्यूटर रह गया था और साथ था टेलीविजन का।

पति के जमाने की कुछ ब्ल्यू फ़िल्में मेरे पास थी, बस उन्हें देख देख कर दिन काटती थी।

मुझे ब्ल्यू फ़िल्म का बहुत सहारा था… उसे देख कर और रस निकाल कर मैं सो जाती थी।

रोज का कार्यक्रम बन सा गया था। ब्ल्यू फ़िल्म देखना और फिर तड़पते हुये अंगुली या मोमबती का सहारा ले कर अपनी चूत की भूख को शान्त करती थी।

गाण्ड में तेल लगा कर ठीक से मोमबती से गाण्ड को चोद लेती थी।
एक दिन मेरे समधी सुरेश का फोन आया कि वे किसी काम से आ रहे हैं।

मैंने उनके लिये अपने घर में एक कमरा ठीक कर दिया था। वो शाम तक घर आ गये थे।

उनके आने पर मुझे बहुत अच्छा लगा। सच पूछो तो अनजाने में मेरे दिल में खुशी की फुलझड़ियाँ छूटने लगी थी।
उनके खुशनुमा मिजाज के कारण समय अच्छा निकलने लगा।

उन्हें आये हुये दो दिन हो चुके थे और मुझसे वो बहुत घुलमिल गये थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उन्हें देख कर मेरी सोई हुई वासना जागने लगी थी।

मुझे तो लगा था कि जैसे वो अब कहीं नहीं जायेंगे।

एक बार रात को तो मैंने सपने में भी उनके साथ अपनी छातियां दबवा ली थी और यह सपना जल्दी ही वास्तविकता में बदल गया।
तीसरी रात को मैं वासना से भरे ख्यालात में डूबी हुई थी।

बाहर बरसात हो रही थी, मैं कमरे से बाहर गेलरी में आ गई।

तभी बिजली गुल हो गई।

बरसात के दिनो में लाईट जाना यहाँ आम बात है।

मैं सम्भल कर चलने लगी।

तभी मेरे कंधों पर दो हाथ आकर जम गये।

मैं ठिठक कर मूर्तिवत खड़ी रह गई। उसके हाथ नीचे आये औरबगल में आकर मेरी चूचियों की ओर बढ़ गये। मेरे जिस्म में जैसे बिजलियाँ कौंध गई।

उसके हाथ मेरे स्तन पर आ गये।
'क्…क्…कौन ?'
'श्…श्… चुप…।'

उसके हाथ मेरे स्तनों को एक साथ सहलाने लगे।

मेरे शरीर में तरंगें छूटने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे भारी स्तन के उभारों को वो कभी दबाता, कभी सहलाता तो कभी चुचूक मसल देता।

मैं बिना हिले डुले जाने क्यूँ आनन्द में खोने लगी।

तभी उसके हाथ मेरी पीठ पर से होते हुये मेरे चूतड़ों के दोनों गोलों पर आ गये।

दोनो ही नरम से चूतड़ एक साथ दब गये।

मेरे मुख से आह निकल पड़ी।

उसकी अंगुलियाँ उन्हें कोमलता से दबा रही थी और कभी कभी चूतड़ों को ऊपर नीचे हिला कर दबा देती थी।

मन की तरंगें मचल उठी थी। मैंने धीरे से अपनी टांगें चौड़ी कर दी।

उसके हाथ दरार के बीच में पेटीकोट के ऊपर से ही अन्दर की ओर सहलाने लगे।

धीरे धीरे वो मेरी चूत तक पहुँच गये। मेरी चूत की दरार में उसकी अंगुलियाँ चलने लगी।

मेरे अंगों में मीठी सी कसक भर गई। मेरी चूत में जोर से गुदगुदी उठ गई।

तभी उसने अपना हाथ वापस खींच लिया।

मैं उसकी किसी और हरकत का इन्तज़ार करने लगी। पर जब कुछ नहीं हुआ तो मैंने पीछे पलट कर देखा। वहां कोई भी नहीं था।

अरे... वो कौन था ? कहां गया ? कोई था भी या नहीं !!!

कहीं मेरा भ्रम तो नहीं था। नहीं नहीं भ्रम नहीं था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे पेटीकोट में चूत के मसले जाने पर मेरे काम रस से गीलापन था।

मैं तुरन्त समधी के कक्ष की ओर बढ़ी। तभी बिजली आ गई।

मैंने कमरे में झांक कर देखा। सुरेश जी तो चड्डी पहने उल्टे होकर शायद सो रहे थे।
दूसरे भाग में समाप्त !
1611

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पतियों की अदला बदली-1

दोस्तो, आप मेरी हिन्दी सेक्स स्टोरीज का आनन्द ले रहे हैं, जान कर खुशी होती है। अब मेरी जो भी कहानियाँ आ रही हैं वो आप लोगों द्वारा मुझे भेजे गए आपके तजुर्बे पर आधारित हैं… यानी ये वास्तविक घटनाओं […]

Full Story >>>

मसूरी के होटल में पति के दोस्त और उनकी बीवियाँ-1

मेरा नाम सपना है, मेरे पतिदेव का नाम रमेश है, हम यमुनानगर (हरियाणा) से हैं। हम एक आम पति पत्नी जैसे ही हैं, न ज्यादा मोटे न ज्यादा पतले ! हाँ, मैं इतना कह सकती हूँ कि मेरे मम्मे आम औरतों […]

Full Story >>>

बीवी को गैर मर्द से चुदते देखने की ख्वाहिश-4

अब तक आपने पढ़ा.. मैं कबीर के बेडरूम में था और नेहा और कबीर के बीच चल रही चूत चुदाई का मजा ले रहा था। अब आगे.. अब नेहा ने भी होंठ चूसने चालू कर दिए, दोनों एक-दूसरे से लिपटे […]

Full Story >>>

लड़की जवान, चूत की खुजली से परेशान

आसिफ़ मस्ताना का आप सभी पाठकों को प्यार भरा नमस्कार। आपको बता दूँ कि मैं अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज का नियमित पाठक हूँ। मैं रोज प्रकाशित होने नई कहानियाँ जरूर पढ़ता रहता हूँ.. मुझसे आज तक इसकी कोई भी हिन्दी सेक्स […]

Full Story >>>

बीवी को गैर मर्द से चुदते देखने की ख्वाहिश-3

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी बीवी गैर मर्द से खुल कर चुदाई का मजा लेने लगी थी। अब आगे.. नेहा कबीर के सीने पर सर रख कर सो रही थी, कबीर उसके बाल सहला रहा था। मैं नीचे उतर कर […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

Desi Kahani

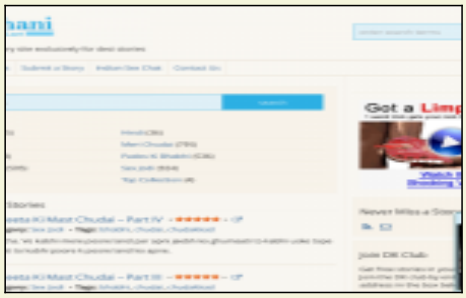

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Urdu Sex Stories

Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire